DATE 22.7.24
PAGE No 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, Chandigarh.

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 'नया सवेरा लाना तुम' कविता)
कवि - त्रिलोक सिंह ठकुरेला
पुस्तक - नवतरंग - 4

प्यारे बच्चो सुप्रभात

आज हम कक्षा चौथी की पाठ्यपुस्तक का पाठ-7 'नया सवेरा लाना तुम' कविता जो कि पृष्ठ 50 पर लिखी है, को पढ़ेंगे। यह पाठ आपको 22.7.24 को भेजा जा रहा है।

सभी बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ 50 खोलें साथ ही अभ्यास-पुस्तिका खोलकर रख लें। मैं पाठ पढ़ाते समय आपसे प्रश्न पूछती जाऊँगी। सब बच्चे इन प्रश्नों का उत्तर लिखने के लिए तीन मिनट का अंतराल लेंगे फिर उत्तर लिखेंगे। सर्वप्रथम मैं कविता पढ़कर सुनाऊँगी फिर अर्थ समझाऊँगी। अतः सब बच्चे ध्यानपूर्वक बैठकर पाठ को सुनेंगे व समझेंगे।

टिक-टिक करती घड़ियाँ कहतीं
मूल्य समय का पहचानो,
पल-पल का उपयोग करो तुम
यह संदेश मेरा मानो।

सब बच्चे लयबद्ध तरीके से उच्च स्वर में कविता को पढ़ेंगे व याद करेंगे।

सरलार्थ:-

प्रस्तुत कविता कवि त्रिलोक सिंह ठकुरेला द्वारा रचित है। उन्होंने समय के महत्व के बारे में बताया है। हमें समय को व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 22.7.24
PAGE No 2

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 'नया सवेरा लाना तुम')

समय बड़ा ही अमूल्य है अतः इसकी कीमत को पहचानो। समय का प्रत्येक पल (क्षण) मूल्यवान है। अतः समय का सदुपयोग करो। बीता समय लौटकर वापस नहीं आता है। जीवन में बड़ी सफलता परिश्रम से मिलती है। इसलिए परिश्रम करो। जो लोग हाथ-पर-हाथ धरे बैठे रहते हैं, मेहनत नहीं करते, आलसी हैं। सफलता उनके सामने से होकर निकल जाती है। वे उसका लाभ नहीं ले पाते हैं। घड़ी हम कलाई पर बाँधते हैं, दीवार पर लटकाते हैं, किसलिए? वह घड़ी हमें कोई विशेष संदेश ही तो दे रही है और हम सबको जागरूक कर रही है।

बच्चो! अब मैं आपसे इस कविता के आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। यहाँ आप तीन मिनट का अंतराल लेकर इन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. सफलता किन लोगों को प्राप्त होती है?
प्रश्न 2. समय निकल जाने पर कैसे लोग पछताते हैं?
प्रश्न 3. घड़ी हमें क्या संदेश दे रही है?

बच्चो! अब आपके अंतराल का समय समाप्त हुआ। इन पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं —

उत्तर 1. जो लोग अथक परिश्रम करते हैं, सफलता उन्हीं को प्राप्त होती है।
उत्तर 2. आलसी लोग समय निकल जाने पर पछताते हैं।
उत्तर 3. समय के मूल्य को पहचानने का संदेश, घड़ी हमें दे रही है।

बच्चो! अब मैं कविता को आगे पढ़ती हूँ —

जो चलते हैं सदा निरंतर
बाज़ी जीत वही पाते,
और आलसी पीछे रहते, रहते पीछे
मन मसोसकर पछताते।

इन पंक्तियों में कवि निरंतर परिश्रम करने की बात

Scanned with CamScanner

DATE 22.7.24
PAGE No 3

कक्षा - चौथी शिक्षिका - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-1 'नया सवेरा लाना तुम')

हमसे कह रहे हैं। बाज़ी वह जीतता है जो परिश्रम करता है। खड़ा होकर देखने वाला व्यक्ति असफल रहता है। जो आलसी है वह समय बीतने पर मन मसोसकर रह जाता है, दुखी होता है। बाद में पछताने का क्या लाभ?

अब बच्चो! मैं कविता का अगला काव्य-खंड पढ़ूँगी। सब बच्चे कविता को साथ-साथ दोहराएँगे।

कुछ भी नहीं असंभव जग में
यदि मन में विश्वास अटल,
शीश झुकाएँगे पर्वत
चरण धोएगा सागर जल।

सरलार्थ:-

बच्चो! इन पंक्तियों में कवि हम सबको यह बात समझा रहे हैं कि संसार में असंभव कुछ भी नहीं है अर्थात् ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे मनुष्य न कर सके, लेकिन ऐसा तब ही होगा, जब हमारे मन में उस कार्य के प्रति अटूट विश्वास और लगन हो। यदि हमारे मन के अंदर अटल विश्वास है तो हमारे सामने पर्वत सिर झुकाएँगे और समुद्र भी अपने जल से हमारे अर्थात् परिश्रमी और सफल व्यक्ति के चरण धोएगा। परिश्रमी, सफल व्यक्ति का सब आदर करते हैं।

अब मैं कविता का अगला काव्य-खंड पढ़ रही हूँ। सब बच्चे ध्यान से सुनें और दोहराएँ।

बहुत सो लिए अब तो जागो
नया सवेरा लाना तुम,
फिर से समय नहीं आता है
कभी भूल मत जाना तुम।

सरलार्थ:-बच्चो! इन पंक्तियों में कवि हम सब मानवजाति को

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

DATE. 22.7.24
PAGE No. 4

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ- रेमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-7 नया सवेरा लाना तुम')

विशेषकर बच्चों को समझाकर कह रहे हैं कि बच्चो अब तुम जाग जाओ, बहुत सो लिए। उठो! जागो! काम करने के लिए तैयार हो जाओ क्योंकि तुमने सोकर बहुत समय नष्ट कर दिया है। अब अपने-अपने कार्य में जुट जाओ क्योंकि बीता हुआ समय और नदी का जल जो पुल के नीचे से एक बार निकल गया है वह फिर वापस नहीं आता है। अत: समय का मूल्य पहचानो। समय ही हमें हमारे परिश्रम के अनुसार ऊपर लेकर जाता है यानि सफलता प्राप्त करने में सहायक होता है और समय ही मेहनत न करने पर हमें नष्ट कर देता है। अत: समय के महत्व को पहचानकर, जानकर आगे बढ़ो।

बच्चो! आपने कविता पढ़ी, समझी। अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूंगी। आप तीन मिनट के अंतराल में इन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. मन में अटल विश्वास होने पर कौन शीश झुकाता है?
प्रश्न 2. जीवन में कोई भी कार्य किन लोगों के लिए असंभव नहीं है?
प्रश्न 3. जीवन में आगे कैसे बढ़ा जा सकता है?

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हुआ। इन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं—

उत्तर-1. मन में अटल विश्वास होने पर पर्वत शीश झुकाता है। असंभव भी संभव हो जाता है।
उत्तर-2. जीवन में कोई भी कार्य उन लोगों के लिए असंभव नहीं है, जो अपने मन में अटल विश्वास बनाकर रखते हैं, दृढ़ निश्चयी होते हैं।
उत्तर 3 कठिन परिश्रम करके तथा समय का सदुपयोग करके जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है।

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner

DATE 22.7.24
PAGE No. 5

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 'नया सवेरा लाना तुम')

बच्चो! यह कविता पाठ-7 यहाँ समाप्त हुआ। आशा है, सब बच्चों को यह पाठ समझ में आ गया होगा। सब बच्चे लयबद्ध तरीके से उच्च स्वर में कविता को पढ़ेंगे व याद करेंगे।

बच्चो अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। आप सब सुंदर लेख में लिखोगे, कार्य को करोगे।

गृहकार्य :- पृष्ठ-51 पर दिए शब्दार्थ को आप अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।
पृष्ठ-52 पर पाठबोध के प्रश्न 1 और 2 के स्वयं उत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner